Edition: Aug 2026

# HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

**HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)**

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)

## विजयेंद्र कुमार, IAS
अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है । इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी अवश्यक सुचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी । यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एंव किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा । मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हू ।"

## श्री राजनरायण कौशिक IAS
महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ ।

## डॉ सुरेंद्र सिंह यादव
**निदेशक , हमेटी , जींद**

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है । 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा यह अत्यंत सराहनीय होगा।

# संपादक की कलम से ...

किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बग़ैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नहीं है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर  का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दे। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

**आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस  पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।**

**" जल है तो जीवन है "**

**"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "**

**HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)**

# हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित

हमेटी, जींद में 27 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाण-पत्र वितरण समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम स्प्रे तकनीक, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग विषय पर केंद्रित रहा। इस अवसर पर प्रतिभागी किसानों को प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्री विजयेंद्र कुमार IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को आधुनिक स्प्रे तकनीकों, स्प्रे उपकरणों के सही अंशांकन (Calibration), उपयुक्त नोजल के चयन, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं संतुलित उपयोग, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE), खरपतवार एवं कीट प्रबंधन तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा से संबंधित वैज्ञानिक जानकारी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को सुरक्षित एवं जिम्मेदार ेषि पद्धतियाँ अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की तकनीकी दक्षता को बढ़ाने, कृषि में आधुनिक तकनीकों के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा सुरक्षित, टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी में डीएईएसआई प्रशिक्षण के अंतर्गत व्यवसायिक नैतिकता एवं बीज अधिनियम पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, भिवानी में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI), टी.पी.नं. 3341 के अंतर्गत 1 अगस्त 2026 के प्रातःकालीन सत्र में डॉ. सुरेन्द्र कुमार, गुणवत्ता नियंत्रण निरीक्षक (Quality Control Inspector), उपकृषि निदेशक कार्यालय, भिवानी ने "व्यवसायिक नैतिकता एवं कृषि आदानों से संबंधित विधिक प्रावधान बीज अधिनियम, 1966, बीज नियम, 1968 तथा बीज नियंत्रण आदेश, 1983" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्री विजयेंद्र कुमार IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कृषि व्यवसाय में नैतिक मूल्यों, इनपुट डीलर्स की जिम्मेदारियों, गुणवत्तायुक्त बीजों के महत्व, बीज अधिनियम एवं नियमों के अनुपालन, बीज नियंत्रण आदेश के प्रावधानों तथा किसानों के हितों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कृषि आदानों के पारदर्शी एवं जिम्मेदार व्यापार पर विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के कानूनी एवं तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हैं तथा किसानों तक गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने और कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता एवं उत्तरदायि-त्व को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में पोषक तत्वों की कमी एवं रोगों के लक्षणों की पहचान पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हमेटी, जींद में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI), टी.पी. नं. 3201 के अंतर्गत 02 अगस्त 2026 के सायंकालीन सत्र में डॉ. मनजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर (पादप रोग विज्ञान), सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार ने "पोषक तत्वों की कमी (Nutrient Deficiency) एवं रोगों के लक्षणों (Disease Symptom)के बीच अंतर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, श्री विजयेंद्र कुमार IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न फसलों में पोषक तत्वों की कमी से उत्पन्न लक्षणों तथा रोगों के कारण दिखाई देने वाले लक्षणों की वैज्ञानिक पहचान एवं उनके बीच अंतर को सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया गया। साथ ही सही निदान, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, रोग नियंत्रण उपायों तथा समय पर उचित सलाह देकर फसल उत्पादन बढ़ाने के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान इनपुट डीलर्स के तकनीकी एवं सलाहकारी कौशल को सुदृढ़ करते हैं, जिससे वे किसानों को सही समय पर उचित परामर्श देकर फसलों की उत्पादकता एवं गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

# हमेटी, जींद में डीएईएसआई प्रशिक्षण के अंतर्गत मध्यावधि परीक्षा आयोजित

हमेटी, जींद में आयोजित डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI), टी.पी. नं. 3414 के अंतर्गत 02 अगस्त 2026 को मध्यावधि परीक्षा (Mid&Term Euamination) सफलतापूर्वक आयोजित की गई। परीक्षा में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

मध्यावधि परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभागियों के कृषि विज्ञान, फसल उत्पादन तकनीक, मृदा स्वास्थ्य, पोषक तत्व प्रबंधन, बीज गुणवत्ता, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा कृषि से संबंधित विधिक एवं तकनीकी विषयों की समझ का मूल्यांकन करना था। इस प्रकार की परीक्षाएँ प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ प्रतिभागियों को अपने ज्ञान का आत्ममूल्यांकन करने का अवसर भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार के मूल्यांकन कार्यक्रम इनपुट डीलर्स की तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करते हैं तथा उन्हें किसानों को वैज्ञानिक एवं प्रभावी कृषि परामर्श प्रदान करने के लिए सक्षम बनाते हैं।

# हमेटी, जींद से सीसीएसएचएयू, हिसार के लिए अध्ययन भ्रमण दल को रवाना किया गया

हमेटी, जींद में 27 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 35 किसानों के अध्ययन भ्रमण (Euposure Visit) दल को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार के लिए रवाना किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, स्प्रे तकनीक एवं कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग से संबंधित व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

अध्ययन भ्रमण के दौरान किसानों को विश्वविद्यालय में विकसित नवीन कृषि तकनीकों, आधुनिक स्प्रे उपकरणों, फसल सुरक्षा उपायों, सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण कीटनाशक उपयोग, कृषि अनुसंधान गतिविधियों तथा वैज्ञानिक खेती की उन्नत विधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर प्राप्त हुआ। विशेषज्ञों द्वारा किसानों को व्यवहारिक प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया, जिससे वे अपने खेतों में इन तकनीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण किसानों के व्यावहारिक ज्ञान एवं तकनीकी दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा आधुनिक, सुरक्षित एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

# करनाल के गाँव घोघड़ीपुर में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) 2026-27 के अंतर्गत हमेटी (LNFI – Local Natural Farming Institute), जींद द्वारा गाँव घोघड़ीपुर, ब्लॉक निसिंग, जिला करनाल में सीआरपी किसान श्री अमित मान के खेत पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग), वाफसा, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा रसायन-मुक्त खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही खेत पर व्यवहारिक प्रदर्शन के माध्यम से प्राकृतिक खेती अपनाकर उत्पादन लागत कम करने, मृदा की उर्वरता बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर भी चर्चा की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा सतत, पर्यावरण-अनुकूल एवं आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास उत्पादन तकनीक पर 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 03 अगस्त 2026 को डॉ. दानवीर सिंह, पीएच.डी. शोधार्थी, कृषि विज्ञान विभाग (एग्रोन मी), सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "कपास फसल का महत्व एवं भारत में कपास की खेती का इतिहास" विषय पर प्रतिभागियों को विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कपास फसल के आर्थिक एवं कृषि महत्व, भारत में कपास की खेती के ऐतिहासिक विकास, विभिन्न उत्पादन क्षेत्रों तथा आधुनिक वैज्ञानिक खेती के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही हरियाणा में कपास उत्पादन की संभावनाओं एवं किसानों की आय बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागि-यों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति महिला किसानों के लिए सुरक्षित स्प्रे तकनीक एवं कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग पर 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण प्रारंभ

हमेटी, जींद में 03 अगस्त से 08 अगस्त 2026 तक अनुसूचित जाति (SC) की 100 महिला किसानों के लिए "सुरक्षित स्प्रे तकनीक एवं कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग" विषय पर 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला किसानों को वैज्ञानिक स्प्रे तकनीकों, कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक बनाना है। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर परिषद की चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने आवश्यकता अनुसार कीटनाशकों के प्रयोग, सुरक्षित स्प्रे तकनीकों को अपनाने तथा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की सुरक्षा पर विशेष बल दिया। उन्होंने महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर "कृषिउद्यमी" के रूप में आगे आने के लिए प्रेरित किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्प्रे उपकरणों के सही संचालन एवं कैलिब्रेशन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के उपयोग, कीटनाशकों के सुरक्षित भंडारण एवं निपटान, एकींत कीट प्रबंधन (IPM), प्राथमिक उपचार तथा महिला किसानों के लिए संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाए गा। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला किसानों की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करने, सुरक्षित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने तथा टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास की वर्तमान स्थिति एवं बीटी कपास के भविष्य पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 04 अगस्त 2026 को डॉ. संदीप कुमार, सहायक वैज्ञानिक, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "हरियाणा में कपास की खेती की वर्तमान स्थिति एवं बीटी कपास (Bt Cotton) की भावी संभावनाएँ" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को हरियाणा में कपास उत्पादन की वर्तमान स्थिति, बीटी कपास की उपयोगिता, बदलती कृषि परिस्थितियों में इसकी चुनौतियों एवं संभावनाओं तथा अधिक उत्पादन एवं गुणवत्तापूर्ण फसल प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक खेती की आधुनिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन के लिए नवीन कृषि प्रबंधन उपाय अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को समृद्ध करते हैं तथा वैज्ञानिक, आधुनिक एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद के प्रतिभागियों का सीसीएसएचएयू, हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 05 अगस्त 2026 को प्रतिभागियों का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार स्थित कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण (Euposure Visit) कराया गया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को कपास पर चल रहे विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों (Research Trials) का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी देवी, सहायक वैज्ञानिक, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने प्रतिभागियों को कपास की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं, उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों तथा कपास में बीज उत्पादन (Seed Production Technology) की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही प्रतिभागियों को बीज उत्पादन से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं का व्यवहारिक प्रशिक्षण (Hands&on Training) भी प्रदान किया गया। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक कौशल को समृद्ध करते हैं तथा वैज्ञानिक, आधुनिक एवं उच्च उत्पादकता वाली कपास खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# महेंद्रगढ़ के गांव बौचरिया में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हमेटी, जींद द्वारा महेंद्रगढ़ जिले के अटेली ब्लॉक के गांव बौचरिया में सीआरपी किसान श्री तेजप्रकाश के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग), वाफसा, प्राकृतिक पोषक तत्व प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही खेत पर व्यवहारिक प्रदर्शन के माध्यम से रसायन-मुक्त खेती, उत्पादन लागत में कमी, मिट्टी की उर्वरता में वृद्धि तथा पर्यावरण संरक्षण के लाभों पर भी चर्चा की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा सतत, पर्यावरण-अनुकूल एवं आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# महेंद्रगढ़ के बेवल गाँव में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

हमेटी (LNFI – Local Natural Farming Institute), जींद द्वारा महेंद्रगढ़ जिले के कनीना ब्लॉक के बेवल गाँव में सीआरपी किसान श्री कर्ण सिंह के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांत, जीवामृत, घनजीवामृत, वाफसा, आच्छादन (मल्चिंग), प्राकृतिक पोषक तत्व प्रबंधन एवं मृदा स्वास्थ्य संरक्षण की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया। साथ ही खेत पर व्यवहारिक प्रदर्शन के माध्यम से रसायन-मुक्त खेती, उत्पादन लागत में कमी, मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा सतत, पर्यावरण अनुकूल एवं आत्मनिर्भर कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# करनाल के गांव गंगा टेहड़ी में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) के अंतर्गत हमेटी (LNFI – Local Natural Farming Institute), जींद द्वारा करनाल जिले के असन्ध ब्लॉक के गांव गंगा टेहड़ी में सीआरपी किसान श्री साहब सिंह के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के महानिदेशक श्री राजनारायण कौशिक, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला सीआरपी किसान श्रीमती नीलम देवी एवं श्रीमती सुमन देवी ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग), वाफसा, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग से कम लागत में खेती करने की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने, मिट्टी की उर्वरता एवं जैव विविधता को बनाए रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। महिला सीआरपी किसानों की भागीदारी ने प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार में महिला किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्राकृतिक खेती को जमीनी स्तर तक पहुंचाने तथा किसानों को कम लागत, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास की खेती में समय प्रबंधन के महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 10 अगस्त 2026 को डॉ. संजीव कुमारी, पीएच.डी. (पर्यावरण विज्ञान) ने "कपास की खेती में समय पर कृषि कार्य सुनिश्चित करने के लिए समय प्रबंधन का महत्व" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि कपास की खेती में समय पर बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा फसल की नियमित निगरानी बेहतर उत्पादन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उचित समय प्रबंधन से कृषि कार्यों की प्रभावशीलता बढ़ाने के साथ अनावश्यक लागत एवं फसल नुकसान को कम करने में सहायता मिलती है। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी एवं प्रबंधन कौशल को मजबूत करते हैं तथा उन्हें वैज्ञानिक एवं योजनाबद्ध तरीके से कपास उत्पादन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

# भिवानी के गांव इंदीवाली में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) योजना के अंतर्गत हमेटी (LNFI – Local Natural Farming Institute), जींद द्वारा 11 अगस्त 2026 को भिवानी जिले के कैरू ब्लॉक के गांव इंदीवाली में सीआरपी किसान कैप्टन महेन्द्र सिंह के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, जीवामृत, घनजीवामृत, आच्छादन (मल्चिंग), वाफसा, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा स्थानीय संसाधनों के उपयोग से कम लागत में टिकाऊ खेती करने की जानकारी प्रदान की गई। किसानों को रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम करने तथा मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों से जोड़ते हुए कम लागत, टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल एवं आत्मनिर्भर कृषि को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# सीसीएसएचएयू, हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर व्यवहारिक प्रशिक्षण

हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 12 अगस्त 2026 को प्रतिभागियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण (Euposure Visit) किया। इस दौरान प्रतिभागियों को कपास पर चल रहे विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों एवं आधुनिक उत्पादन तकनीकों का प्रत्यक्ष अवलोकन करने का अवसर मिला। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। अध्ययन भ्रमण के दौरान डॉ. शुभम लांबा, सहायक वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने प्रतिभागियों को कपास की खेती में टिकाऊ मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन (ustainable Soil Health Management) से संबंधित विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

उन्होंने मृदा की उर्वरता एवं उत्पादकता को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक पोषक तत्व एवं मृदा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को मल्चिंग के साथ एवं बिना मल्चिंग के ड्रिप सिंचाई (Drip Irrigation) के प्रयोग और उसके प्रभावों के बारे में भी व्यवहारिक जानकारी दी गई। इस दौरान जल के कुशल उपयोग, मृदा में नमी संरक्षण तथा कपास उत्पादन में आधुनिक सिंचाई तकनीकों की उपयोगिता को विस्तार से समझाया गया। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण प्रतिभागियों को अनुसंधान आधारित आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करते हैं तथा टिकाऊ मृदा प्रबंधन, जल संरक्षण एवं वैज्ञानिक कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में बीटी कपास की वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की संभावनाओं पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 13 अगस्त 2026 को डॉ. संदीप कुमार, सहायक वैज्ञानिक, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "हरियाणा में बीटी कपास की खेती की वर्तमान स्थिति एवं बीटी कपास का भविष्य" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को हरियाणा में बीटी कपास की वर्तमान स्थिति, उत्पादन से जुड़ी चुनौतियों, बदलते कृषि परिदृश्य तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कपास की बेहतर उत्पादकता एवं गुणवत्ता के लिए उन्नत किस्मों, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन और नवीन कृषि तकनीकों के महत्व पर चर्चा की गई।

विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों को कपास की फसल की नियमित निगरानी, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाने तथा बदलती परिस्थितियों के अनुरूप उचित फसल प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए टिकाऊ, वैज्ञानिक एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देते हैं।

# सीसीएसएचएयू, हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण एवं कपास बीज उत्पादन का व्यवहारिक प्रशिक्षण

हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 12 अगस्त 2026 को प्रतिभागियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण (Euposure Visit) किया। इस दौरान प्रतिभागियों ने कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न चल रहे अनुसंधान परीक्षणों (Research Trials) का प्रत्यक्ष अवलोकन किया तथा नवीन तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

अध्ययन भ्रमण के दौरान डॉ. मीनाक्षी देवी, सहायक वैज्ञानिक, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने प्रतिभागियों को कपास उत्पादन तकनीक से संबंधित विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों, उन्नत उत्पादन पद्धतियों एवं नवीन वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विस्तार से समझाया। प्रतिभागियों को कपास में बीज उत्पादन तकनीक (Seed Production Technology) का व्यवहारिक प्रशिक्षण (Hands&on Training) भी प्रदान किया गया। इस दौरान गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं एवं वैज्ञानिक विधियों की जानकारी दी गई, जिससे प्रतिभागी इन तकनीकों को व्यावहारिक स्तर पर बेहतर ढंग से समझ सकें। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रतिभागियों को अनुसंधान आधारित आधुनिक ेषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करते हैं तथा गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, बेहतर उत्पादकता एवं वैज्ञानिक कपास खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हिसार के गांव बालसमंद में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण, 51 किसानों ने लिया भाग

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF) के अंतर्गत हमेटी (LNFI – Local Natural Farming Institute), जींद द्वारा 12 अगस्त 2026 को हिसार जिले के गांव बालसमंद में सीआरपी किसान श्री राजेंद्र सिंह के फार्म पर प्राकृतिक खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 51 किसानों ने भाग लेकर प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव के दिशा-निर्देशन में तथा हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुभाष चन्द्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीट प्रबंधन तथा स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। किसानों को रासायनिक आदानों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से खेती की लागत घटाने एवं मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सीआरपी किसान श्री राजेंद्र सिंह एवं श्री संदीप कुमार ने प्रोंतिक खेती से जुड़े अपने व्यावहारिक अनुभव किसानों के साथ साझा किए। उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाने के दौरान प्राप्त अनुभवों एवं इसके लाभों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी। ऐसे प्रशिक्षण एवं अनुभव-साझाकरण कार्यक्रम किसानों को कम लागत, स्वस्थ मिट्टी, सुरक्षित पर्यावरण एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास की खेती हेतु मृदा स्वास्थ्य एवं एकींकृत पोषक तत्व प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 13 अगस्त 2026 को डॉ. शुभम लांबा, सहायक वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान), कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "कपास की खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन एवं एकीत पोषक तत्व प्रबंधन" विषय पर प्रतिभागियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, ेषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

विशेषज्ञ सत्र में प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य की जांच एवं संरक्षण, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन तथा एकीत पोषक तत्व प्रबंधन (INM) की वैज्ञानिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही कपास की फसल की आवश्यकता के अनुसार पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग और बेहतर मृदा प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य सुधार, पोषक तत्वों के प्रभावी उपयोग तथा टिकाऊ एवं बेहतर कपास उत्पादन के लिए वैज्ञानिक तकनीकें अपनाने हेतु प्रेरित करते हैं।

# हमेटी, जींद में 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हरियाणा राज्य में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana State) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में 10 से 14 अगस्त 2026 तक आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों ने समूह चित्र के माध्यम से कार्यक्रम की स्मृतियों को संजोया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को उन्नत कपास उत्पादन तकनीक, मृदा स्वास्थ्य एवं पोषक तत्व प्रबंधन, बीटी कपास, कीट एवं रोग प्रबंधन, गुलाबी सुंडी नियंत्रण, आधुनिक सिंचाई तकनीक तथा वैज्ञानिक फसल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों के तकनीकी एवं व्यावहारिक ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए उन्हें आधुनिक, वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन की नवीन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

# प्राकृतिक खेती के अध्ययन एवं अनुभव के लिए गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी पहुंचा दल

प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों, वैज्ञानिक पद्धतियों एवं सफल मॉडलों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के उद्देश्य से अध्ययन भ्रमण (Euposure Visit) के अंतर्गत दल गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी, गुजरात पहुंचा। इस अध्ययन भ्रमण का उद्देश्य प्राकृतिक खेती से संबंधित नवीन अनुसंधान, व्यवहारिक तकनीकों एवं सफल अनुभवों को समझना तथा प्राप्त ज्ञान को किसानों तक पहुंचाना है। अध्ययन भ्रमण हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, प्राकृतिक आदानों की तैयारी तथा टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण विभिन्न राज्यों के ज्ञान, नवाचार एवं सफल कृषि पद्धतियों के आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा प्राकृतिक खेती को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने में सहायक होते हैं।

# हरियाणा के 20 CRP किसानों का गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी में शैक्षणिक भ्रमण

महानिदेशक, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा श्री राजनारायण कौशिक, IAS के आदेशानुसार, निदेशक हमेटी डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव के दिशा-निर्देशन तथा प्राकृतिक खेती प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में हरियाणा के 20 कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (CRP) किसानों ने गुजरात नेचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक अनुसंधान, नवीन तकनीकों एवं सफल मॉडल का प्रत्यक्ष अध्ययन कर उनके अनुभवों को हरियाणा के किसानों तक पहुंचाना है। यह शैक्षणिक भ्रमण हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सी. के. टिम्बड़िया से शिष्टाचार भेंट की। कुलपति महोदय ने CRP किसानों के साथ प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके वैज्ञानिक आधार, उपयोगिता एवं भविष्य की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए।

प्राकृतिक खेती अनुसंधान फार्म के भ्रमण के दौरान निदेशक अनुसंधान डॉ. गोपाल डी. वडोडरिया ने प्राकृतिक खेती से संबंधित अनुसंधान की वैज्ञानिक प्रगति एवं महत्वपूर्ण निष्कर्षों की जानकारी दी। वहीं सहायक वैज्ञानिक डॉ. रवीना पी. अमीपरा ने किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों एवं उनके व्यवहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत किसानों ने पंचमहल जिले के सूरा गांव में फार्मर मास्टर ट्रेनर पर्वत भाई के फार्म का भी दौरा किया, जहां उन्होंने प्राकृतिक खेती में बहुफसल प्रणाली (Multi&Cropping System) के सफल मॉडल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया और इसके व्यावहारिक लाभों को समझा। इस प्रकार के अंतर्राज्यीय शैक्षणिक भ्रमण ज्ञान एवं अनुभवों के आदान-प्रदान, प्राकृतिक खेती के सफल मॉडलों को अपनाने तथा CRP किसानों की तकनीकी क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये प्रशिक्षित CRP किसान प्राप्त ज्ञान को हरियाणा के अन्य किसानों तक पहुंचाकर प्राकृतिक खेती के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# हमेटी, जींद में भारत में कपास की खेती के इतिहास एवं कपास फसल के महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryana) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 17 अगस्त 2026 को डॉ. दानवीर सिंह, पीएच.डी. शोधार्थी, कृषि विज्ञान विभाग (Agronomy), कृषि महाविद्यालय, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "भारत में कपास की खेती का इतिहास एवं कपास फसल का महत्व" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को भारत में कपास की खेती के ऐतिहासिक विकास, कृषि एवं अर्थव्यवस्था में कपास के महत्व, कपड़ा उद्योग में इसकी भूमिका तथा किसानों की आजीविका में इसके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सत्र में कपास उत्पादन की बदलती परिस्थितियों एवं आधुनिक कृषि तकनीकों पर भी चर्चा की गई। प्रतिभागियों को वैज्ञानिक फसल प्रबंधन एवं उन्नत कृषि पद्धतियों को अपनाकर कपास की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास फसल में एकीकृत खरपतवार प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryan) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 17 अगस्त 2026 को डॉ. सुरेन्द्र सिंह, पीएच.डी. शोधार्थी, कृषि विज्ञान विभाग (Agronomy), कृषि महाविद्यालय, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "कपास फसल में एकींत खरपतवार प्रबंधन (Integrated Weed Management)" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को कपास की फसल में पाए जाने वाले प्रमुख खरपतवारों की पहचान, खरपतवारों से फसल को होने वाले नुकसान तथा उनके समय पर प्रभावी नियंत्रण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही एकींत खरपतवार प्रबंधन के अंतर्गत यांत्रिक, कृषि क्रियात्मक एवं रासायनिक नियंत्रण विधियों के संतुलित उपयोग पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ ने कपास की विभिन्न अवस्थाओं में समय पर खरपतवार नियंत्रण के महत्व तथा खरपतवारनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग पर भी विशेष बल दिया। प्रभावी खरपतवार प्रबंधन से पोषक तत्वों, पानी एवं प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा कम कर कपास की बेहतर वृद्धि एवं उत्पादकता में सहायता मिलती है। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देते हैं।

# हमेटी, जींद में हरियाणा में कपास की उन्नत खेती की सिफारिशों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryan) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 17 अगस्त 2026 को डॉ. ज्योति, पीएच.डी. शोधार्थी, कृषि विज्ञान विभाग (Agronomy), कृषि महाविद्यालय, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "हरियाणा में कपास की खेती हेतु उन्नत पैकेज ऑफ प्रैक्टिसेज (Package of Practice)" विषय पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

विशेषज्ञ सत्र में प्रतिभागियों को उपयुक्त किस्म एवं बीज चयन, खेत की तैयारी, बुवाई की वैज्ञानिक विधि, उचित पौध संख्या, सिंचाई प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा फसल की नियमित निगरानी जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही हरियाणा की कृषि एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप कपास की खेती में समय पर कृषि क्रियाएं अपनाने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के महत्व पर विशेष बल दिया गया, ताकि फसल की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को वैज्ञानिक एवं अनुशंसित कपास उत्पादन तकनीकों से जोड़ते हुए टिकाऊ, गुणवत्तापूर्ण एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देते हैं।

# हमेटी, जींद में कपास उत्पादन पर चल रहे 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (PCCH) योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में 17 से 21 अगस्त 2026 तक फील्ड स्टाफ के लिए आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम का 18 अगस्त 2026 को श्री आत्मा राम गोदारा, संयुक्त निदेशक (कपास), सिरसा ने निरीक्षण एवं समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लेते हुए प्रतिभागियों से संवाद किया तथा कपास उत्पादन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

समीक्षा के दौरान श्री आत्मा राम गोदारा ने फील्ड स्टाफ को कपास की उन्नत उत्पादन तकनीकों, फसल की नियमित निगरानी, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा किसानों तक नवीनतम वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षित फील्ड स्टाफ किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान कर कपास की उत्पादकता, गुणवत्ता एवं लाभप्रदता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस प्रकार के प्रशिक्षण एवं समीक्षा कार्यक्रम फील्ड स्टाफ की तकनीकी क्षमता को सुदृढ़ करते हुए हरियाणा में वैज्ञानिक, टिकाऊ एवं लाभकारी कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में सहायक हैं।

# हमेटी, जींद में हरियाणा में कपास उत्पादन की चुनौतियों एवं उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हरियाणा में कपास की खेती को प्रोत्साहन (Promotion of Cotton Cultivation in Haryan) राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 18 अगस्त 2026 को डॉ. करमल सिंह मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "हरियाणा में कपास उत्पादन की प्रमुख बाधाएं तथा कपास का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने के उपाय" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्याख्यान के दौरान प्रतिभागियों को हरियाणा में कपास उत्पादन के सामने आने वाली प्रमुख कृषि एवं तकनीकी चुनौतियों, कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, सिंचाई प्रबंधन तथा बदलती जलवायु परिस्थितियों के प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डॉ. मलिक ने कपास का क्षेत्रफल एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत किस्मों एवं गुणवत्तापूर्ण बीजों का चयन, वैज्ञानिक फसल प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व उपयोग, समय पर कृषि क्रियाएं तथा प्रभावी कीट एवं रोग प्रबंधन अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए हरियाणा में कपास का क्षेत्रफल, उत्पादकता, गुणवत्ता एवं किसानों की लाभप्रदता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में अनुसूचित जाति किसानों को आधुनिक स्प्रे तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया

हमेटी, जींद में 30 जुलाई 2026 को आयोजित अनुसूचित जाति (SC) किसानों के लिए 5-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 35 किसानों को स्प्रे तकनीक विषय पर व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर डॉ. ओ. पी. नेहरा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (सेवानिवृत्त), सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCS HAU), हिसार ने किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक स्प्रे तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी निदेशक डॉ. सुरेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. नेहरा ने किसानों को स्प्रे मशीनों के सही चयन एवं अंशांकन (Calibration), उचित नोजल का उपयोग, सही मात्रा एवं समय पर छिड़काव, कीटनाशकों के सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण प्रयोग तथा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE) के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी समझाया कि वैज्ञानिक तरीके से स्प्रे करने से कीटनाशकों की प्रभावशीलता बढ़ती है, लागत कम होती है तथा पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

इस प्रकार के व्यवहारिक प्रशिक्षण किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं तथा सुरक्षित, टिकाऊ एवं लाभकारी खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हरियाणा के CRP किसानों का आनंद कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात में अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण

हमेटी, जींद द्वारा प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत आयोजित अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हरियाणा के कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (CRP) किसानों ने आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात का दौरा किया। यह भ्रमण निदेशक हमेटी डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव के दिशा - निर्देशन एवं प्रोंतिक खेती प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में आयोजित किया गया। भ्रमण का उद्देश्य गुजरात में प्राकृतिक खेती के अनुसंधान, नवीन तकनीकों एवं सफल किसान म डल का प्रत्यक्ष अध्ययन कर इन अनुभवों को हरियाणा के किसानों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। आनंद कृषि विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति डॉ. एन. आई. शाह, निदेशक अनुसंधान डॉ. एस. एन. शाह तथा सह-निदेशक (अनुसंधान) डॉ. वी. के. पटेल ने CRP किसानों के साथ हरियाणा एवं गुजरात में प्राकृतिक खेती की वर्तमान स्थिति, आवश्यकता, संभावनाओं एवं विस्तार पर विस्तृत चर्चा की।

एग्रोन मी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पीयूष पटेल एवं सहायक वैज्ञानिक डॉ. हर्षिमा ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर प्राकृतिक खेती से संबंधित चल रहे शोध कार्यों, वैज्ञानिक परीक्षणों एवं व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी दी। इससे CRP किसानों को प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक पहलुओं को नजदीक से समझने का अवसर मिला। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान CRP किसानों ने विभिन्न गांवों का दौरा कर प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के सफल मॉडल भी देखे और उनके व्यावहारिक अनुभवों को समझा। इस अनुभव से हरियाणा में प्राकृतिक खेती को और अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। भ्रमण के दौरान दल को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जन्मस्थली एवं उनके पैतृक निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस प्रकार के अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण वैज्ञानिक ज्ञान, नवाचार एवं सफल कृषि अनुभवों के आदान-प्रदान के साथ CRP किसानों की क्षमता बढ़ाने तथा प्राकृतिक खेती को जमीनी स्तर पर व्यापक रूप से अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# Media Coversage

## प्रकृति की रक्षा करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य, पेड़ लगाकर ध्यान भी रखें: डा. सुरेंद्र

जागरण संवाददाता • जींद: विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर हमेटी के निदेशक डा. सुरेंद्र यादव ने पौधारोपण अभियान का आयोजन किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना हर व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य है। जीवन के लिए आवश्यक भोजन, पानी और हवा प्रकृति से मिलते हैं। यदि हम प्रकृति का ध्यान नहीं रखेंगे, तो जीवन संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने धरती की हरियाली को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि शुद्ध हवा मिल सके।

डा. यादव ने पालिथीन के प्रयोग से बचने और पानी की बर्बादी रोकने की अपील की। उन्होंने खेती में रसायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से बचने की आवश्यकता बताई। हमेटी के प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षक डा. सुभाष चंद्र ने कहा कि हवा, पानी और मिट्टी जैसे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने के लिए प्राकृतिक खेती को अपनाना चाहिए। रासायनिक कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करता है और विभिन्न जीवों की प्रजातियों को नष्ट करता है। इस अवसर पर डा. वजीर सिंह चौहान, अजय कुमार यादव, नरेश, विकास रंगा, कुलदीप सिंह, शमशेर और अमित भी उपस्थित रहे।

हमेटी में पौधारोपण करते स्टाफ सदस्य। • सौजन्य स्वयं

# सीसीएसएचएयू, हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण एवं बीज उत्पादन तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण

हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 19 अगस्त 2026 को प्रतिभागियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार के कॉटन रिसर्च फार्म का अध्ययन भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को कपास उत्पादन से संबंधित विभिन्न चल रहे अनुसंधान परीक्षणों (Research Trial) का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया तथा आधुनिक कपास उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

इस अवसर पर डॉ. संदीप कुमार, सहायक वैज्ञानिक, कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएसएचएयू, हिसार ने प्रतिभागियों को विभिन्न कपास उत्पादन तकनीकों पर चल रहे अनुसंधान कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। प्रतिभागियों को देसी कपास एवं अमेरिकन कपास में बीज उत्पादन तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस दौरान गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, फसल चयन, बीज शुद्धता एवं वैज्ञानिक उत्पादन विधियों के महत्वपूर्ण पहलुओं को समझाया गया। इस प्रकार के अध्ययन भ्रमण प्रतिभागियों को अनुसंधान आधारित आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव प्रदान करते हैं तथा गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन, बेहतर उत्पादकता एवं वैज्ञानिक कपास खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# प्राकृतिक खेती के अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण में CRP किसानों ने अहमदाबाद की 'बंसी गिर गौशाला' का किया दौरा

हमेटी, जींद द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती के अंतरराज्यीय शैक्षणिक भ्रमण के दौरान हरियाणा के कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (CRP) किसानों ने प्राकृतिक खेती प्रशिक्षक डॉ. सुभाष चन्द्र के नेतृत्व में अहमदाबाद, गुजरात स्थित गौ-आधारित खेती केंद्र 'बंसी गिर गौशाला' का भ्रमण किया। यहां प्रतिभागियों को गौ-संरक्षण, गोबर एवं गौमूत्र आधारित कृषि गतिविधियों, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के सफल मॉडल तथा कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन (Value Addition) एवं विपणन की कार्यप्रणाली को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

बंसी गिर गौशाला एवं गौ-आधारित खेती के संस्थापक श्री गोपालभाई सुतारिया ने CRP किसानों के साथ संवाद करते हुए गाय के गोबर एवं गौमूत्र के कृषि में उपयोग, प्राकृतिक आदानों की तैयारी तथा किसानों की आय बढ़ाने में गौ-आधारित खेती की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने 'गोंपामृत' के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य सुधारने तथा प्राकृतिक तरीके से बेहतर फसल उत्पादन प्राप्त करने से जुड़े अपने अनुभव एवं मॉडल की जानकारी भी साझा की। किसानों ने केंद्र पर प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों के मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग और प्रभावी विपणन व्यवस्था का भी अध्ययन किया। इस शैक्षणिक भ्रमण से ब्ح किसानों को गौ-आधारित प्राकृतिक खेती को कृषि-उद्यमिता से जोड़ने तथा खेती के साथ मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय के अतिरिक्त अवसर विकसित करने की महत्वपूर्ण व्यवहारिक जानकारी प्राप्त हुई।

# हमेटी, जींद में कपास के एकींकृत रोग प्रबंधन एवं सडन विल्ट नियंत्रण पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 5-दिवसीय आवासीय कपास उत्पादन प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 20 अगस्त 2026 को डॉ. अनिल कुमार सैनी, सहायक पादप रोग विशेषज्ञ (Assistant Pathologist), कॉटन सेक्शन, आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने ”कपास में एकींत रोग प्रबंधन, विशेष रूप से सडन विल्ट (Sudden Wilt) का प्रभावी प्रबंधन“ विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्रतिभागियों को कपास की फसल में होने वाले प्रमुख रोगों की पहचान, उनके कारण, प्रारंभिक लक्षण, रोकथाम एवं वैज्ञानिक प्रबंधन के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से सडन विल्ट की समस्या की समय पर पहचान एवं प्रभावी नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की गई। डॉ. अनिल कुमार सैनी ने एकींकृत रोग प्रबंधन (IDM) के अंतर्गत उचित फसल प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व एवं सिंचाई प्रबंधन, खेत की नियमित निगरानी तथा आवश्यकता के अनुसार वैज्ञानिक नियंत्रण उपाय अपनाने के महत्व पर विशेष बल दिया। इस प्रकार के विशेषज्ञ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के तकनीकी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए रोगों से फसल की सुरक्षा, बेहतर उत्पादकता एवं टिकाऊ कपास उत्पादन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

# हमेटी, जींद में NMNF-2026 के अंतर्गत CRP किसानों के लिए 5-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण का प्रथम चरण शुरू

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF)-2026 के अंतर्गत हमेटी, जींद में कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन्स (CRP) के लिए 5-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण के लिए नवचयनित 38 किसानों ने CRP के रूप में पंजीकरण कराया। उद्घाटन सत्र में डॉ. भारत सिंह घनघस, एसोसिएट प्रोफेसर, कृषि महाविद्यालय, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने प्रतिभागियों से वर्तमान कृषि की प्रमुख समस्याओं एवं प्रोंतिक खेती की आवश्यकता पर संवाद किया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. भारत सिंह घनघस ने "प्राकृतिक खेती का अवलोकनरू अवधारणा, सिद्धांत एवं प्रमुख घटक" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए प्राकृतिक खेती के वैज्ञानिक आधार एवं इसके विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को मृदा स्वास्थ्य, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, खेती की लागत में कमी तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली के महत्व से अवगत कराया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नवचयनित CRP किसानों को प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक तकनीकों में दक्ष बनाना है, ताकि वे प्रशिक्षण के बाद अपने क्षेत्रों में अन्य किसानों तक सही जानकारी एवं अनुभव पहुंचाकर प्राकृतिक खेती के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

# Media Coversage

# सुरक्षित छिड़काव के तरीकों से घटेंगे जोखिम : डॉ. अनुराधा

मुख्यातिथि चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी को सम्मानित करते हुए महिलाएं। स्रोत संस्थान

**संवाद न्यूज एजेंसी**

**जींद।** हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान में अनुसूचित जाति वर्ग की महिला किसानों के लिए सुरक्षित छिड़काव तकनीक और कीटनाशकों के उचित इस्तेमाल को लेकर पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने, स्वास्थ्य सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।

प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ नगर परिषद चेयरपर्सन डॉ. अनुराधा सैनी ने किया। उन्होंने कहा कि फसलों में कीटनाशकों का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार और सही तरीके से किया जाना चाहिए।

सुरक्षित स्प्रे तकनीक अपनाने से किसानों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को कम किया जा सकता है और रसायनों के अनावश्यक उपयोग पर भी रोक लगाई जा सकती है।

उन्होंने महिला किसानों को कृषि क्षेत्र में उद्यमी बनने और टिकाऊ खेती की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

# Media Coversage

# बेवल में प्राकृतिक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**जगत क्रान्ति ⏭ सुनील दीक्षित**

**कनीना :** कनीना उपमंडल के गांव बेवल में किसानों को आधुनिक और संरक्षित खेती के प्रति जागरूक करने के लिए एक दिवसीय सेमिनार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत आयोजित इस किसान प्रशिक्षण शिविर में क्षेत्र के उन्नत एवं लघु किसानों ने हिस्सा लिया। हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान जींद द्वारा प्रायोजित शिविर में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को रसायनों के बिना खेती करने के तरीकों और फायदों से अवगत कराया। कृषि विज्ञान केंद्र महेंद्रगढ़ से आए डॉ. राजपाल यादव, जींद से आए डॉ. सुभाष चंद्र ने किसानों को नकदी एवं प्राकृतिक खेती के विस्तार और इसके वैज्ञानिक पहलुओं पर फोकस किया।

प्राकृतिक खेती के लिए विशेष ट्रेनिंग प्राप्त सीआरपी किसान महावीर सिंह ने भी उपस्थित किसानों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने क्वांटीटी व क्वालिटी से तुलना करते हुए प्राकृतिक खेती के फायदे बताए। इस प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से कृषि अधिकारियों ने किसानों को समय-समय पर मिट्टी व पानी की जांच कराने, भूमि की उर्वरता बनाए रखने, पर्यावरण को सुरक्षित रखने और कम लागत में अधिक और शुद्ध उत्पादन प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों ने विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को ध्यानपूर्वक सुना और प्राकृतिक खेती से जुड़ी अपनी शंकाओं को भ्ज्ञी दूर किया। इस मौके पर किसान करण सिंह, निरपाल, मनीराम, प्रकाश, शमशेर, बिल्लू, सुंदर सिंह, रमेश, पूरणमल, अशोक, रामकुमार व बलबीर उपस्थित थे।

# Media Coversage

# प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी आय

किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक करते अधिकारी • विज्ञप्ति

**संवाद सहयोगी, जागरण • असंध:** गांव गंगाटेहड़ी में सीआरपी किसान साहब सिंह के फार्म पर हमेटी जींद की ओर से एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन निदेशक हमेटी डा. सुरेंद्र सिंह यादव के दिशा-निर्देशन में हुआ। प्राकृतिक खेती प्रशिक्षक डा. सुभाष चंद्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांत, तकनीक और लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरता बढ़ने के साथ उत्पादन लागत कम होती है और पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा होती है। सहायक तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार ने विभागीय योजनाओं और प्रोत्साहनों की जानकारी दी।

# Media Coversage

दैनिक भास्कर भिवानी भास्कर 12-08-2026

## प्राकृतिक खेती से जमीन की उपजाऊ शक्ति बढ़ती है: सुभाष

कैरू। गांव इंदीवाली में प्राकृतिक खेती की जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक।

**कैरू|** इंदीवाली में सीआरपी किसान कैप्टन महेन्द्र सिंह के फार्म पर हमेटी जींद द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

खंड स्तरीय प्रशिक्षण में हमेटी जींद के प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ. सुभाष चन्द्र ने मुख्य प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया। प्रशिक्षण में डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि रासायनिक कीटनाशकों व उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग ने मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीवाणुओं व केंचुओं को मार दिया है। जिससे मिट्टी की उपजाऊ शक्ति कम हो गई है। किसान को पैदावार लेने के लिए बहुतायत में रासायनिक उर्वरक डालने पड़ते हैं। इससे खेती में खर्चा बढ़ रहा है। प्राकृतिक खेती से उपजाऊ शक्ति बढ़ती है व खर्चा घटता है। इसलिए हमें प्राकृतिक खेती करनी चाहिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती की तकनीकों बारे विस्तार से जानकारी देते हुए बीजामृत, जीवामृत, धनजीवाअमृत, नीमाअस्त्र आदि बनाने व प्रयोग करने की विधि सिखाई। महेंद्र सिंह सीआरपी ने किसानों से अपना अनुभव सांझा किया।

# Media Coversage

## प्राकृतिक खेती से घटेगा खर्च : सुभाष

कैरू। गांव ईंदीवाली में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत एक दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हमेटी जींद के प्राकृतिक खेती विशेषज्ञ डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि प्राकृतिक खेती से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी और खर्च घटेगा।

कार्यक्रम का आयोजन ईंदीवाली निवासी सीआरपी किसान कैप्टन महेंद्र सिंह ने अपने कृषि फार्म पर हमेटी जींद के माध्यम से करवाया। डॉ. सुभाष चंद्र ने कहा कि रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से मिट्टी में मौजूद लाभकारी जीवाणु नष्ट हो रहे हैं।

कैरू खंड कृषि विभाग के बीटीएम राजबीर सिंह ने बताया कि प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को ड्रम खरीदने के लिए 3 हजार रुपये, देसी गाय खरीदने के लिए 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

विजय कौशिक ने प्राकृतिक और जैविक तरीके से तैयार जैव उर्वरक की जानकारी दी। महेंद्र सिंह सीआरपी ने किसानों से अपना अनुभव साझा किया। प्राकृतिक खेती करने वाले 11 किसानों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महेंद्र सिंह, पंकज, मांगे राम, सुनील कुमार, गणपत सिंह मौजूद रहे। संवाद

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
**AGRICULTURE AND**
**FARMERS WELFARE**

सत्यमेव जयते

MANAGE
मैनेज

# HELPLINE NUMBER
## (NATION WIDE)

Information related to

# NATURAL FARMING

**Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis***

HELP LINE

# DIAL - 1800-599-1557

**Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M**
**(Monday to Friday)** All working days


राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
**National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)**
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp

**Follow us on**

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

**TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551**

ATMA

# HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)


(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

**Near Ch. Rabir Singh unioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana**

hametijind@gmail.com  01681-256453